CBSE 12th 2024 Compartment Hindi Core Set-3 (2/S/3) Solutions

---

खण्ड अ
(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

Q.1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

भारतीय आयुर्वेद के अनुसार औषधीय चाय (हर्बल टी) को वैदिक चाय के तौर पर भी जाना जाता है। यह बेहद स्वादिष्ट और औषधीय गुणों से भरपूर होती है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्त्व न सिर्फ शरीर में तरल पदार्थों की पूर्ति करते हैं बल्कि यह दूसरी चाय से भी भिन्न होती है। औषधीय चाय पीकर दिनभर की थकान तो दूर होती ही है, साथ ही यह शरीर को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं पहुँचाती है। बहुत कम लोग जानते हैं कि औषधीय चाय के नियमित सेवन से शरीर की प्रतिरक्षा भी बढ़ाई जा सकती है। शारीरिक प्रतिरक्षा शक्ति मज़बूत होने से शरीर को विभिन्न बीमारियों और संक्रमण से लड़ने में मदद मिलती है। अगर आप लंबे समय से किसी बीमारी से जूझ रहे हैं, तो औषधीय चाय के सेवन से उसके प्रभाव को कम कर सकते हैं। बेहतर स्वास्थ्य के लिए सामान्य चाय की अपेक्षा औषधीय गुणों से भरपूर चाय को ही प्राथमिकता देना बुद्धिमानी बतलाया गया है। इसे पीने से शरीर तो स्वस्थ रहता ही है, दिल और दिमाग भी ताज़गी से भरपूर रहता है। यह एक प्रकार से आयुर्वेदिक चाय के रूप में भी जानी जाती है और इसमें कैफीन की मात्रा बिलकुल भी नहीं होती है, जबकि दूसरी चाय व कॉफ़ी में कैफीन की अधिक मात्रा होने से शरीर में कई स्वास्थ्य समस्याएँ जन्म ले लेती हैं और धीरे-धीरे शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने लगता है। औषधीय चाय में ऐसे कई गुण पाए जाते हैं, जिनसे अंदरूनी और बाहरी तौर पर शरीर की सफाई की जा सकती है। शरीर में मौजूद अशुद्धियों को इसके सेवन से काफी हद तक दूर किया जा सकता है। इससे त्वचा का संक्रमण खत्म होता है और त्वचा स्वस्थ भी होती है। अगर नियमित तौर पर हर्बल चाय का सेवन किया जाए, तो मुँहासों की समस्या से भी निजात पाई जा सकती है। यह सोरायसिस और एक्ज़िमा का इलाज करने में भी फायदेमंद है। त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने के लिए औषधीय चाय का सेवन किया जा सकता है।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

आजकल की व्यस्त और अनियमित जीवन शैली के कारण बहुत से लोग कम उम्र से ही मोटापे का शिकार होने लग जाते हैं। बढ़ते मोटापे के कारण हृदय रोग से लेकर मधुमेह तक कई समस्याएँ हो सकती हैं। वजन घटाने और मोटापा कम करने के लिए इस चाय को काफी लाभदायक माना जाता है। इसमें कुछ ऐसे तत्त्व पाए जाते हैं, जो कैलोरी और वजन को कम करने के लिए मेटाबॉलिज़्म की प्रक्रिया को ठीक करते हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का विषय है **:**
(A) औषधीय चाय **:** एक परिचय
(B) औषधीय चाय के प्रकार
(C) औषधीय चाय और सामान्य चाय में अंतर
(D) वर्तमान जीवन में चाय की आवश्यकता

(ii) लोग वर्तमान समय में औषधीय चाय के सेवन की ओर क्यों प्रेरित हो रहे हैं **?**
(A) अधिक मुनाफ़ा होने से
(B) चाय का बाज़ार होने से
(C) आवश्यक पेय होने से
(D) स्वास्थ्य के प्रति सचेत होने से

(iii) वैदिक चाय की विशेषता होती है **:**
(A) प्राकृतिक होना
(B) स्वादिष्ट होना
(C) औषधीय गुणों से युक्त होना
(D) सरलता से उपलब्ध होना

(iv) हर्बल चाय साधारण चाय से भिन्न कैसे है **?**
(A) अधिक स्वादिष्ट होने से
(B) कैफीन नहीं होने से
(C) अधिक लाभदायक होने से
(D) शरीर की सफाई करने से

(v) गद्यांश के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए **:**
कथन **I :** वैदिक चाय ही 'हर्बल टी' है।
कथन **II :** इससे प्रतिरक्षा तंत्र मज़बूत होता है।
कथन **III :** बेहतर स्वास्थ्य के लिए औषधीय चाय को प्राथमिकता देना अनिवार्य है।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

कथन **IV:** इस चाय में स्वाद की कमी होती है।
(A) केवल कथन **I** सही है।
(B) केवल कथन **II** और **III** सही हैं।
(C) केवल कथन **I, II, III** सही हैं।
(D) केवल कथन **I** और **IV** सही हैं।

(vi) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :
कथन : वर्तमान समय में जीवन शैली व्यस्त और अनियमित है।
कारण : बहुत से लोग मोटापे के शिकार हो जाते हैं।
विकल्प :
(A) कथन सही है, लेकिन कारण गलत है।
(B) कथन सही नहीं है, लेकिन कारण सही है।
© कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(vii) वजन घटाने में हर्बल चाय सहायक होती है क्योंकि :
(A) भूख को कम कर देती है।
(B) कोशिकाओं की मरम्मत होती है।
(C) पाचन तंत्र को मज़बूत बनाती है।
(D) मेटाबॉलिज़्म की प्रक्रिया ठीक करती है।

(viii) गद्यांश के आधार पर हृदय रोग और मधुमेह जैसी समस्याओं का मूल कारण क्या है ?
(A) मोटापे का शिकार होना
(B) अनियमित जीवन शैली होना
(C) भोजन में वसा और चीनी अधिक होना
(D) कसरत और योग का अभाव होना

(ix) शरीर को विभिन्न बीमारियों से बचाया जा सकता है :
(A) शारीरिक श्रम को महत्त्व देकर
(B) रोज हर्बल चाय का सेवन कर
(C) शारीरिक प्रतिरक्षा को विकसित कर
(D) दिल, दिमाग को स्वस्थ रख कर

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(x) गद्यांश के अनुसार 'सोरायसिस' और 'एक्ज़िमा' रोग का संबंध शरीर के किस भाग से है**?**
(A) पेट
(C) दिल
(B) मुँह
(D) त्वचा

Solution. (i) (A) औषधीय चाय : एक परिचय

(ii) (D) स्वास्थ्य के प्रति सचेत होने से

(iii) (C) औषधीय गुणों से युक्त होना

(iv) (B) कैफीन नहीं होने से

(v) (C) केवल कथन I, II, III सही हैं।

(vi) (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(vii) (D) मेटाबॉलिज़्म की प्रक्रिया ठीक करती है।

(viii) (B) अनियमित जीवन शैली होना

(ix)] (B) रोज हर्बल चाय का सेवन कर

(x) (D) त्वचा

Q.2 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए **:**

अँधेरी रात में दीपक जलाए कौन बैठा है**?**
उठी ऐसी घटा नभ में छिपे सब चाँद और तारे, उठा तूफान वह नभ में गए बुझ दीप भी सारे,
मगर इस रात में भी लौ लगाए कौन बैठा है **?**

collegedunia
India's largest Student Review Platform

अँधेरी रात में दीपक जलाए कौन बैठा है ? गगन में गर्व से उठ-उठ, गगन में गर्व से
घिर-घिर गरज कहती घटाएँ हैं, नहीं होगा उजाला फिर,
मगर चिर ज्योति में निष्ठा जमाए कौन बैठा है?
अँधेरी रात में दीपक जलाए कौन बैठा है? तिमिर के राज का ऐसा कठिन आतंक छाया है,
उठा जो शीश सकते थे उन्होंने सिर झुकाया है,
मगर विद्रोह की ज्वाला जलाए कौन बैठा है?
अँधेरी रात में दीपक जलाए कौन बैठा है ? प्रलय का सब समाँ बाँधे प्रलय की रात है छाई,
विनाशक शक्तियों की इस तिमिर के बीच बन आई,
मगर निर्माण में आशा दृढ़ाए कौन बैठा है ? अँधेरी रात में दीपक जलाए कौन बैठा है?
प्रभंजन, मेघ दामिनी ने न क्या तोड़ा, न क्या फोड़ा, धरा के और नभ के बीच कुछ साबित नहीं छोड़ा,
मगर विश्वास को अपने बचाए कौन बैठा है?
अँधेरी रात में दीपक जलाए कौन बैठा है ?
(i) प्रस्तुत काव्यांश में 'दीपक' प्रतीकार्थ है :
(A) ज्ञान
(B) ज्योति
(C) आशा
(D) शक्ति
(ii) "उठी ऐसी घटा नभ में छिपे सब चाँद और तारे" पंक्ति में 'चाँद और तारों का छिपना' से - अभिप्राय है :
(A) कोई मार्ग समझ में न आना
(B) विपरीत परिस्थितियों का घिर आना
(C) प्रकाश के साधनों का लुप्त हो जाना
(D) सहायक साधनों/व्यक्तियों का न होना
(iii) "तिमिर के राज का ऐसा कठिन आतंक छाया है" पंक्ति में 'तिमिर के राज' का आशय है :
(A) अँधेरे का साम्राज्य
(B) प्राकृतिक आपदाएँ
(C) आततायी शासक
(D) सत्ताधारी वर्ग
(iv) विनाशक शक्तियाँ जब सक्रिय हो जाती हैं तब :
कथन **I :** चारों ओर आतंक का राज रहता है।
कथन **II :** भय का वातावरण रहता है।
कथन **III:** अमन-चैन का साम्राज्य रहता है।
उपर्युक्त कथन के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सही है ?

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(A) केवल कथन **I** और **II** सही हैं।
(B) केवल कथन **I** और **III** सही हैं।
(C) केवल कथन **II** और **III** सही हैं।
(D) कथन **I, II** और **III** सही हैं।

(v) स्तंभ-**I** को स्तंभ-**II** से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए **:**

स्तंभ-**I**	स्तंभ-**II**
1.तिमिर	**(i)**बिजली
2.समाँ	**(ii)**धरती
3.दामिनी	**(iii)**दृश्य
4.धरा	**(iv)** अँधेरा

विकल्प **:**
(A) 1-(ii), 2-(iii), 3-(iv), 4-(i)
(B) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii), 4-(iv)
(C) 1-(i), 2-(ii), 3-(iv), 4-(iii)
(D) 1-(iv), 2-(iii), 3-(i), 4-(ii)

Solution.(i) (C) आशा
काव्यांश में दीपक को प्रतीक के रूप में प्रयोग किया गया है जो निरंतरता और आशा का संकेत देता है, भले ही परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन हों।

(ii)(B) विपरीत परिस्थितियों का घिर आना
यह पंक्ति बताती है कि भारी बादलों की वजह से चाँद और तारे छिप गए हैं, जो विपरीत परिस्थितियों के आने का संकेत है।

(iii)(A) अँधेरे का साम्राज्य
'तिमिर के राज' का अर्थ अँधेरे और अज्ञान के साम्राज्य से है जो काव्यांश में गहरी कठिनाइयों और संकट को दर्शाता है।

(iv) (A) केवल कथन I और II सही हैं।
विनाशक शक्तियों की सक्रियता से आतंक और भय का वातावरण बनता है, अमन-चैन का साम्राज्य नहीं रहता।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(v) (D) 1-(iv), 2-(iii), 3-(i), 4-(ii)
1. तिमिर - अँधेरा
2. समाँ - दृश्य
3. दामिनी - बिजली
4. धरा - धरती

(पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

Q.3. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) घर में दावत चलते समय यशोधर बाबू संध्या करने क्यों चले गए ?
(A) प्रभु का आशीर्वाद लेने के लिए
(B) शोर-शराबे से बचने के लिए
(C) प्रभु का धन्यवाद व्यक्त करने के लिए
(D) पार्टी से बचने के लिए

(ii) सिन्धु का इलाका किससे मिलता-जुलता है ?
(A) बाड़मेर से
(B) राजस्थान से
(C) जैसलमेर से
(D) बीकानेर से

(iii) बसंत पाटील को लेखक द्वारा मित्र बनाए जाने का कारण नहीं है :
(A) वह मेधावी था
(B) उसका शांत स्वभाव था
(C) वह कक्षा का मॉनिटर था
(D) वह बड़ी जाति से था

(iv) कुंड में पानी के प्रबंध हेतु किसकी व्यवस्था थी ?
(A) नहर की
(B) तालाब की
(C) कुएँ की
(D) नदियों की

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(v) दफ़्तर से निकलकर यशोधर बाबू कहाँ चले जाते थे ?
(A) क्वार्टर में
(B) बिरला मंदिर में
(C) गोल मार्केट में
(D) पार्क में

(vi) 'जूझ' कहानी का नायक आनंदा कक्षा में चह्वाण के लड़के द्वारा गमछा छीने जाने पर रुआँसा क्यों हो गया ?
(A) गमछे के फट जाने के कारण
(B) कक्षा के छात्रों के हँसने के कारण
(C) गमछा फट जाने के संभावित भय के कारण
(D) पिता द्वारा की जाने वाली संभावित पिटाई के कारण

(vii) छोटे टीलों पर बनी बस्ती को क्या कहकर पुकारा जाता था ?
(A) नीचे क्षेत्र
(B) नीचा घर
(C) नीचा नगर
(D) पुराना घर

(viii) लेखक के पिता गाँव में सबसे पहले कोल्हू क्यों चलाते थे ?
(A) काम खत्म करने के लिए
(B) पैसा बचाने के लिए
(C) बच्चे पर शासन के लिए
(D) ईख की अच्छी कीमत के लिए

(ix) मूल संस्कारों से आधुनिका न होते हुए यशोधर बाबू की पत्नी के आधुनिका बनने का कारण इनमें से नहीं है :
(A) बच्चों का पढ़-लिखकर ऊँचा वेतनमान पाना
(B) संयुक्त परिवार में पति द्वारा कभी पक्ष न लिया जाना
(C) बच्चों की तरफदारी करने की मातृसुलभ मजबूरी
(D) संयुक्त परिवार में आचार-व्यवहार के बंधनों में रहना
(x) यशोधर बाबू चाहते थे कि उनके बच्चे :
(A) दफ़्तर पैदल जाएँ
(C) उनसे पूछ कर काम करें

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(B) पैसा खर्च करें
(D) अपना निर्णय स्वयं लें

Solution. (i) (B) शोर-शराबे से बचने के लिए

(ii) (B) राजस्थान से

(iii) (D) वह बड़ी जाति से था

(iv) (C) कुएँ की

(v) (B) बिरला मंदिर में

(vi) (D) पिता द्वारा की जाने वाली संभावित पिटाई के कारण

(vii) (C) नीचा नगर

(viii) (D) ईख की अच्छी कीमत के लिए

(ix) (D) संयुक्त परिवार में आचार-व्यवहार के बंधनों में रहना

(x) (D) अपना निर्णय स्वयं लें

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न**)**

Q.4. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए **:**

(i) मुद्रित माध्यमों में लोकप्रिय लेखकों के लेखों की नियमित श्रृंखला कही जाती है **:**
(A) स्तंभ लेखन
(B) समाचार लेखन
(C) सूचना लेखन
(D) सृजनात्मक लेखन
(ii) आर्थिक पत्रकारिता से जुड़े पत्रकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती है **:**
(A) इस क्षेत्र से जुड़ी तकनीकी शब्दावली को समझना
(B) इस क्षेत्र से जुड़ी तकनीकी शब्दावली का प्रयोग करना

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(C) देश की अर्थव्यवस्था का ठीक से विश्लेषण करना
(D) इस क्षेत्र से जुड़ी शब्दावली को पाठक वर्ग के समझने लायक बनाना

(iii) पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं **?**
(A) एक
(B) दो
(C) तीन
(D) चार

(iv) पत्रकारिता का मूल तत्त्व है **:**
(A) सूचना देना
(B) प्रेरणा देना
(C) ख़बर छापना
(D) मनोरंजन करना

(v) संचार प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा कहलाती है **:**
(A) बाधा
(B) शोर
(C) अवरोध
(D) रुकावट

Solution. (i) (A) स्तंभ लेखन

(ii) (D) इस क्षेत्र से जुड़ी शब्दावली को पाठक वर्ग के समझने लायक बनाना

(iii) (B) दो

(iv) (A) सूचना देना

(v) (C) अवरोध

(पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न**)**

collegedunia
India's largest Student Review Platform

Q.5 निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

एक-एक बार मुझे मालूम होता है कि यह शिरीष एक अद्भुत अवधूत है। दुःख हो या सुख, वह हार नहीं मानता। न ऊधो का लेना, न माधो का देना। जब धरती और आसमान जलते रहते हैं, तब भी यह हज़रत न जाने कहाँ से अपना रस खींचते रहते हैं। मौज में आठों याम मस्त रहते हैं। एक वनस्पतिशास्त्री ने मुझे बताया है कि यह उस श्रेणी का पेड़ है, जो वायुमंडल से अपना रस खींचता है। ज़रूर खींचता होगा। नहीं तो भयंकर लू के समय इतने कोमल तंतुजाल और ऐसे सुकुमार केसर को कैसे उगा सकता था ? अवधूतों के मुँह से ही संसार की सबसे सरस रचनाएँ निकली हैं। कबीर बहुत-कुछ इस शिरीष के समान ही थे, मस्त और बेपरवा, पर सरस और मादक ।

(i) गद्यांश का केन्द्रीय भाव है :
(A) कबीर का परिचय
(B) शिरीष की विशेषता
(C) शिरीष की उपयोगिता
(D) शिरीष का प्रभाव

(ii) शिरीष को अद्भुत कहा गया है :
(A) हँसते मुस्कुराते रहने के कारण
(B) कठिनाइयों में अडिग रहने के कारण
(C) दुःख-सुख में सम भाव से रहने के कारण
(D) भयंकर गरमी को झेलने के कारण

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए गद्यांश के अनुसार सही कथन को चयनित कर लिखिए।
(A) शिरीष वायुमंडल से भोग्य पदार्थ ग्रहण करता है।
(B) शिरीष एक हरा-भरा पौधा है।
(C) शिरीष पाताल की गहराइयों से रस प्राप्त करता है।
(D) शिरीष वनस्पतिशास्त्री का प्रिय पौधा है।

(iv) "न ऊधो का लेना, न माधो का देना" का आशय है :
(A) सदैव प्रसन्न रहना
(B) क्रय-विक्रय न करना
(C) लेन-देन का कार्य न करना

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(D) निर्लिप्त भाव से जीवन जीना

(v) **"मौज में आठो याम मस्त रहते हैं"** पंक्ति में प्रयुक्त **'याम'** शब्द से आप क्या समझते हैं **? -**
(A) मिनट
(B) घंटा
(C) दिन
(D) पहर

Solution. (i) (B) शिरीष की विशेषता

(ii) (C) दुःख-सुख में सम भाव से रहने के कारण

(iii) (A) शिरीष वायुमंडल से भोग्य पदार्थ ग्रहण करता है।

(iv) (D) निर्लिप्त भाव से जीवन जीना

(v) (B) घंटा

Q.6 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए **:**

मैं जग-जीवन का भार लिए फिरता हूँ, फिर भी जीवन में प्यार लिए फिरता हूँ; कर दिया किसी ने झंकृत जिनको छूकर मैं साँसों के दो तार लिए फिरता हूँ **!** मैं स्नेह-सुरा का पान किया करता हूँ, मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते, मैं अपने मन का गान किया करता हूँ **!**

(i) **'जग-जीवन का भार'** से क्या आशय है **?**
(A) व्यक्तिगत जीवन की कठिनाइयाँ
(B) सांसारिक जीवन की समस्याएँ
(C) व्यावहारिक जीवन का संघर्ष
(D) आम जीवन की जद्दोजहद
(ii) कवि सांसारिक प्रेम का आधार किसे मानता है **?**
(A) त्याग
(B) स्वार्थ

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(C) सहयोग
(D) प्रशंसा

(iii) 'साँसों के तार' से कवि का क्या तात्पर्य है **?**
(A) प्रेम
(B) संवेदना
(C) चाहत
(D) समर्पण

(iv) प्रस्तुत काव्यांश से कवि के बारे में पता चलता है कि **:**
कथन **I :** कवि संवेदनशील है।
कथन **II :** प्रेम ही कवि के लिए प्रमुख है।
कथन **III :** प्रेम के सामने संसार का महत्त्व नहीं है।
उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं **?**
(A) कथन **I** और **III** सही हैं।
(B) कथन **I** ग़लत है और कथन **II, III** सही हैं।
(C) कथन **I, II** और **III** सही हैं।
(D) कथन **I** और **II** सही हैं।

(v) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए **:**
कथन **:** संसार से निरपेक्ष रहने वाला कवि जग-जीवन का भार लिए फिरता है।
कारण **:** दुनिया अपने व्यंग्य बाणों से और शासन-प्रशासन से चाहे कितना कष्ट दे, पर दुनिया से कटकर मनुष्य रह भी नहीं पाता।
विकल्प **:**
(A) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।
(B) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।
© कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

Solution. (i) (B) सांसारिक जीवन की समस्याएँ
कवि 'जग-जीवन का भार' से सांसारिक जीवन की समस्याओं और कठिनाइयों का आशय लेते हैं, जिन्हें वह अपने जीवन में ढोते हैं।

(ii) (A) त्याग

collegedunia
India's largest Student Review Platform

कवि के अनुसार, सांसारिक प्रेम का आधार त्याग है, जो प्रेम की वास्तविकता को दर्शाता है, न कि स्वार्थ, सहयोग, या प्रशंसा।

(iii) (B) संवेदना
कवि 'साँसों के तार' से संवेदना का तात्पर्य लेते हैं, जो उनकी आत्मिक अनुभूतियों और गहरी भावनाओं को दर्शाता है।

(iv) (C) कथन I, II और III सही हैं।
काव्यांश से यह स्पष्ट होता है कि कवि संवेदनशील है, प्रेम उसके लिए सबसे प्रमुख है, और संसार के सामने प्रेम की महत्ता अधिक है।

(v) (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।**
कथन और कारण दोनों सही हैं क्योंकि कवि संसार के भार को महसूस करता है, जबकि कारण यह बताता है कि भले ही कवि संसार से भागना चाहता है, वह पूरी तरह से उससे कट नहीं सकता।

खण्ड ब
(वर्णनात्मक प्रश्न)

(जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न)

Q.7. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग **120** शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए **:**
(क) विद्यार्थियों का बढ़ता पटल समय **(**स्क्रीन टाइम**)**
(ख) शारीरिक श्रम से दूर होता समाज
(ग) विकास के पथ पर भारत

Solution. यहाँ पर आपके द्वारा दिए गए विषयों पर रचनात्मक लेख दिए गए हैं:

(क) विद्यार्थियों का बढ़ता पटल समय (स्क्रीन टाइम)

आजकल के विद्यार्थी अपने अध्ययन और खेल-कूद के समय के अलावा, अधिकतर समय पटल (स्क्रीन) के सामने बिताते हैं। स्मार्टफ़ोन, टैबलेट और कंप्यूटर की बढ़ती उपयोगिता ने उनके जीवन में एक नई आदत विकसित कर दी है। कई विद्यार्थी अपने

collegedunia
India's largest Student Review Platform

समय का बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया, वीडियो गेम्स और अन्य डिजिटल प्लेटफार्मों पर बर्बाद कर रहे हैं। यह स्थिति न केवल उनकी शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है, बल्कि उनके मानसिक विकास और सामाजिक कौशल को भी प्रभावित कर रही है। लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठने से आंखों में तनाव, नींद की कमी और शारीरिक समस्याएँ उत्पन्न हो रही हैं। इस बढ़ते स्क्रीन टाइम को नियंत्रित करने के लिए माता-पिता और शिक्षकों को मिलकर प्रयास करना होगा, ताकि विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास सुनिश्चित किया जा सके।

(ख) शारीरिक श्रम से दूर होता समाज

वर्तमान समय में, समाज तेजी से शारीरिक श्रम से दूर होता जा रहा है। औद्योगिकरण और तकनीकी उन्नति ने हमारी जीवनशैली को बदल दिया है, और हम अधिकतर समय आरामदायक जीवन जीने लगे हैं। पहले लोग खेतों में काम करते थे, लंबी-लंबी सैर करते थे और शारीरिक श्रम से जुड़ी गतिविधियों में भाग लेते थे। आजकल की ज़िंदगी में अधिकांश लोग कंप्यूटर और स्मार्टफ़ोन के सामने बैठे रहते हैं, जिससे उनकी शारीरिक गतिविधि सीमित हो गई है। इस बदलाव के कारण, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ जैसे मोटापा, हृदय रोग और मधुमेह की समस्याएँ बढ़ रही हैं। शारीरिक श्रम से दूरी बनाना हमारे स्वास्थ्य के लिए खतरे का संकेत है। समाज को फिर से सक्रिय और स्वस्थ जीवनशैली की ओर कदम बढ़ाने की आवश्यकता है।

(ग) विकास के पथ पर भारत

भारत विकास के मार्ग पर तेजी से बढ़ रहा है। पिछले दशकों में, देश ने कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है, जैसे कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी, उद्योग, और शिक्षा। आर्थिक सुधारों और उदारीकरण के कारण, भारत अब विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल इंडिया, और स्टार्ट-अप्स जैसे कार्यक्रम देश की प्रगति को और भी गति दे रहे हैं। हालांकि, विकास के इस पथ पर कई चुनौतियाँ भी हैं, जैसे कि असमानता, गरीबी और पर्यावरणीय संकट। भारत को संतुलित और समावेशी विकास के लिए सतत प्रयास करने की आवश्यकता है, ताकि सभी नागरिकों को इस विकास का लाभ मिल सके और देश की समृद्धि को सुनिश्चित किया जा सके।

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग **40** शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर लिखिए **:**

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(i)(क) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय पात्रों के मनोभावों को, द्वंद्वों को किस प्रकार प्रस्तुत किया जा सकता है **?**
अथवा
Solution. कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय पात्रों के मनोभावों और द्वंद्वों को प्रस्तुत करने के लिए संवाद और अभिनय का विशेष ध्यान रखना चाहिए। संवादों को भावनात्मक और तनावपूर्ण बनाना आवश्यक है, ताकि दर्शक पात्रों के अंतर्मन की गहराई को महसूस कर सकें। अभिनय के दौरान शारीरिक हाव-भाव, चेहरे की अभिव्यक्तियाँ, और आवाज़ की उतार-चढ़ाव का उपयोग करके पात्रों के आंतरिक संघर्ष और द्वंद्व को स्पष्ट रूप से दिखाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, मंच सजावट और प्रकाश व्यवस्था भी भावनात्मक प्रभाव को बढ़ाने में सहायक हो सकती है।

(ख) **'लक्ष्मण-मूच्छा और राम का विलाप'** पाठ के आधार पर रावण और कुंभकरण के बीच हुए संवाद को दृश्य के रूप में प्रस्तुत कीजिए।

Solution. दृश्य: रावण और कुंभकरण के बीच संवाद

स्थान: रावण का दरबार, लंका। रात का समय है। रावण की महल की सजावट और रात्रि की घनी चुप्पी ने वातावरण को गंभीर बना दिया है। रावण, एक भव्य सिंहासन पर बैठा है, और कुंभकरण, एक विशालकाय पलंग पर लेटा हुआ है। रावण के चेहरे पर चिंता की लकीरें हैं, जबकि कुंभकरण का चेहरा थका हुआ और चिंता से ग्रस्त दिख रहा है।

रावण:(गहरी चिंता और दर्द के साथ) "कुंभकरण, यह क्या हो गया है? लक्ष्मण की मूर्छा ने हमारे सैन्य को हिला कर रख दिया है। हमारे कितने योद्धा घायल हो गए हैं, और राम का विलाप तो हमारे अंत का संकेत हो सकता है।"
कुंभकरण: (धीमे और गंभीर स्वर में) "भाई, यह समय बहुत कठिन है। लक्ष्मण की मूर्छा ने वास्तव में एक नई स्थिति उत्पन्न कर दी है। हमें इस संकट का समाधान ढूंढना होगा, वरना हमारा साम्राज्य खतरे में पड़ जाएगा।"

रावण (आक्रोशित और चिंतित स्वर में) "राम और लक्ष्मण ने हमारे साम्राज्य को चुनौती दी है। हमें इस संकट से उबरने के लिए कोई रणनीति बनानी होगी। क्या हमें और बल भेजने की आवश्यकता है?"

कुंभकरण: (विचार में खोया हुआ) "हमारी सेनाएँ और अधिक बल से भी इसका समाधान नहीं हो सकता। हमें युद्ध के मोर्चे पर नयी रणनीति अपनानी होगी। लक्ष्मण की मूर्छा ने हमें दिखाया है कि हमें सिर्फ बल की नहीं, बल्कि बुद्धि की भी आवश्यकता है।"

collegedunia
India's largest Student Review Platform

रावण: (थोड़ा शांत होकर) "तुम्हारी बात सही है। हमें सोचना होगा कि राम और लक्ष्मण की स्थिति को कैसे बदलें। हमें अपने युद्ध रणनीति को नए सिरे से देखना होगा।"

कुंभकरण: (सहमति में) "हां, हमें अपने बुद्धि और शक्ति को संयोजित करके एक नया रास्ता निकालना होगा। यह समय केवल युद्ध नहीं, बल्कि सही निर्णय लेने का भी है।"

रावण: (उत्साह और आत्मविश्वास के साथ) "ठीक है, कुंभकरण। हम इस चुनौती का सामना करेंगे। तुम्हारे साथ मिलकर हम इस संकट से उबरेंगे और अपने साम्राज्य को बचाएंगे।"

कुंभकरण: (सहमत होकर) "हमारा साम्राज्य, हमारी जिम्मेदारी है। हम इसे बचाने के लिए पूरी ताकत और रणनीति के साथ जुटेंगे।"

दृश्य समाप्त होता है। इस दृश्य में रावण और कुंभकरण की बातचीत दर्शाती है कि वे अपनी समस्याओं को समझने और समाधान निकालने के लिए गंभीरता से सोच रहे हैं। रावण की चिंता और कुंभकरण की सोच-समझ उनकी रणनीतिक स्थिति और साम्राज्य की सुरक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

(ii) (क) रेडियो नाटक की तुलना में सिनेमा और रंगमंच की लोकप्रियता का क्या कारण है**?**
अथवा

Solution. रेडियो नाटक की तुलना में सिनेमा और रंगमंच की लोकप्रियता का कारण

सिनेमा और रंगमंच की लोकप्रियता का कारण कई पहलुओं से जुड़ा हुआ है जो रेडियो नाटक से भिन्न हैं:

1.दृश्य और श्रव्य अनुभव: सिनेमा और रंगमंच दर्शकों को दृश्य और श्रव्य दोनों अनुभव प्रदान करते हैं। सिनेमा में चलचित्र, विशेष प्रभाव, और रंगीन दृश्य होते हैं, जबकि रंगमंच पर लाइव अभिनय और सेट डिजाइन दर्शकों को एक जीवंत अनुभव देते हैं। इसके विपरीत, रेडियो नाटक केवल श्रव्य अनुभव प्रदान करता है, जो दृश्य कल्पना पर निर्भर करता है।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

2.भव्यता और प्रस्तुति: सिनेमा में अत्याधुनिक तकनीक, महंगे सेट और प्रभावशाली दृश्य होते हैं जो दर्शकों को भव्यता और चमक प्रदान करते हैं। रंगमंच पर भी, लाइव प्रदर्शन, अभिनेता की जीवंतता और सेट डिज़ाइन दर्शकों को विशेष अनुभव प्रदान करते हैं। रेडियो नाटक में यह भव्यता और प्रस्तुति की कमी होती है।

3. सामाजिक और सांस्कृतिक इंटरेक्शन: सिनेमा और रंगमंच एक सामाजिक अनुभव होते हैं जहां लोग एक साथ बैठते हैं और प्रदर्शन का आनंद लेते हैं। यह सामूहिक अनुभव, सामाजिक संपर्क और सांस्कृतिक इंटरेक्शन को बढ़ावा देता है। रेडियो नाटक, जो आमतौर पर व्यक्तिगत सुनने का अनुभव होता है, इस प्रकार के सामाजिक जुड़ाव को कम करता है।

4. तकनीकी प्रगति और आकर्षण: सिनेमा और रंगमंच तकनीकी प्रगति के साथ लगातार विकसित हो रहे हैं, जिसमें 3D, वीएफएक्स (विशेष प्रभाव) और लाइव प्रदर्शन शामिल हैं। ये तकनीकी नवाचार दर्शकों को एक नया और रोमांचक अनुभव प्रदान करते हैं। रेडियो नाटक, हालांकि प्रभावशाली हो सकता है, तकनीकी दृष्टिकोण से उतना आकर्षक नहीं होता।

इन कारणों से, सिनेमा और रंगमंच ने रेडियो नाटक की तुलना में अधिक लोकप्रियता प्राप्त की है, क्योंकि वे दर्शकों को एक समग्र और बहु-आयामी अनुभव प्रदान करते हैं।

(ख) अप्रत्याशित लेखन में किन बातों का ध्यान रखा जाता है **?**

Solution. अप्रत्याशित लेखन में ध्यान देने योग्य बातें:

1. सृजनात्मकता: अप्रत्याशित लेखन में नई और अनूठी विचारधारा की आवश्यकता होती है। लेखक को नए दृष्टिकोण और विचार प्रस्तुत करने की क्षमता रखनी चाहिए।

2. ताजगी और नवीनता: पाठकों को चकित करने और उनकी रुचि बनाए रखने के लिए लेखन में ताजगी और नवीनता जरूरी है। सामान्य से हटकर और सोचने पर मजबूर करने वाले विचार प्रस्तुत करने चाहिए।

3. पढ़ने वाले के साथ संपर्क: अप्रत्याशित लेखन में पाठकों के साथ एक गहरा संबंध स्थापित करना होता है। इससे पाठक की रुचि बनाए रखने और उन्हें सोचने पर मजबूर करने में मदद मिलती है।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

4. आश्चर्यजनक तत्व: लेखन में ऐसे तत्व शामिल करना चाहिए जो पाठक को आश्चर्यचकित करें। यह असामान्य घटनाएँ, अप्रत्याशित मोड़ या नए दृष्टिकोण हो सकते हैं।

5. स्पष्टता और संक्षिप्तता: विचार चाहे कितने भी अनूठे हों, वे स्पष्ट और संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इससे पाठक आसानी से समझ पाएंगे और लेखन की प्रभावशीलता बढ़ेगी।

6. विवादास्पद या चुनौतीपूर्ण विचार: अप्रत्याशित लेखन में कभी-कभी विवादास्पद या चुनौतीपूर्ण विचार शामिल किए जा सकते हैं जो पाठक को सोचने पर मजबूर करें और बातचीत को प्रेरित करें।

इन बातों का ध्यान रखकर अप्रत्याशित लेखन किया जा सकता है, जो पाठकों को नई सोच और दृष्टिकोण प्रदान करता है।

Q.9 निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए**:**

(क) पत्रकार के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।

Solution. पत्रकारिता के विभिन्न प्रकारों में मुख्यतः चार प्रमुख प्रकार होते हैं:

1. समाचार पत्रक (News Journalist): ये पत्रकार ताजे और घटनात्मक समाचारों को एकत्रित कर, उन्हें सत्यापन के साथ प्रकाशित करते हैं। उनका मुख्य कार्य घटनाओं की सटीक रिपोर्टिंग करना है।

2. विश्लेषणात्मक पत्रकार (Analytical Journalist): ये पत्रकार घटनाओं और मुद्दों पर गहराई से विश्लेषण करते हैं। उनका उद्देश्य सूचनाओं के पीछे की वजहों और प्रभावों को उजागर करना होता है।

3. विशेष लेख लेखक (Feature Writer): ये पत्रकार विशेष विषयों पर विस्तृत और रोचक लेख लिखते हैं। इनके लेख अक्सर मानव कहानियों, सांस्कृतिक मुद्दों या अन्य विषयों पर केंद्रित होते हैं।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

4. संपादक (Editor): संपादक लेखों और समाचारों की गुणवत्ता और सटीकता की निगरानी करते हैं। वे सामग्री को संकलित और संपादित करते हैं ताकि यह पाठकों के लिए स्पष्ट और आकर्षक हो।

ये विभिन्न प्रकार पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं को संबोधित करते हैं और मीडिया के समृद्धि में योगदान करते हैं।

(ख) समाचार लेखन एवं सृजनात्मक लेखन के बीच अंतर को स्पष्ट कीजिए।

Solution. समाचार लेखन और सृजनात्मक लेखन के बीच अंतर स्पष्ट रूप से निम्नलिखित है:
समाचार लेखन:
1.उद्देश्य: इसका मुख्य उद्देश्य ताजे और सटीक जानकारी प्रदान करना है। यह घटनाओं की तात्कालिकता और सच्चाई पर आधारित होता है।
2. शैली: समाचार लेखन में तथ्यों को वस्तुनिष्ठ तरीके से प्रस्तुत किया जाता है। इसमें संक्षिप्त और स्पष्ट भाषा का उपयोग होता है।
3. रूप: यह आमतौर पर निष्पक्ष और तथ्यात्मक होता है। इसमें रिपोर्टिंग की शैली अपनाई जाती है और लेखक की व्यक्तिगत राय शामिल नहीं होती।
4. उदाहरण: एक समाचार रिपोर्ट, जो किसी राजनीतिक घटना, आपदा, या समाजिक मुद्दे के बारे में तथ्यात्मक जानकारी प्रदान करती है।

सृजनात्मक लेखन:
1. उद्देश्य: इसका मुख्य उद्देश्य पाठकों को प्रेरित करना, मनोरंजन करना या किसी विचार को कला के रूप में प्रस्तुत करना होता है। यह कल्पना और रचनात्मकता पर आधारित होता है।
2. शैली: सृजनात्मक लेखन में लेखक की व्यक्तिगत आवाज, भावनाएँ और विचार प्रमुख होते हैं। इसमें कल्पनाशीलता और भावनात्मक अभिव्यक्ति की अधिक स्वतंत्रता होती है।
3.रूप: इसमें कहानी, कविता, उपन्यास आदि शामिल होते हैं, जहाँ लेखक अपनी सृजनात्मकता और कल्पनाशक्ति का उपयोग करता है।
4. उदाहरण: एक उपन्यास या कविता जो लेखक की कल्पनाओं और भावनाओं को साहित्यिक शैली में व्यक्त करती है।

संक्षेप में, समाचार लेखन तथ्यात्मक और वस्तुनिष्ठ होता है, जबकि सृजनात्मक लेखन व्यक्तिगत भावनाओं और कल्पनाओं पर आधारित होता है।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(ग) आपकी दृष्टि में अख़बार और रेडियों में लोकप्रिय माध्यम कौन-सा है और क्यों **?**

Solution. मेरी दृष्टि में, रेडियो वर्तमान में अख़बार की तुलना में एक अधिक लोकप्रिय और प्रभावशाली माध्यम बनता जा रहा है, और इसके पीछे कई कारण हैं:
रेडियो की लोकप्रियता के कारण:
1.सुविधाजनक पहुँच: रेडियो का उपयोग कहीं भी किया जा सकता है—गाड़ी में, घर में, या काम करते समय। यह पोर्टेबल होता है और लोगों को समय और स्थान की सीमा के बिना समाचार और मनोरंजन प्रदान करता है।

2.तुरंत प्रसारण: रेडियो पर खबरें और सूचना तुरंत प्रसारित की जाती हैं। लाइव प्रोग्रामिंग, जैसे कि समाचार बुलेटिन और रेडियो शो, तुरंत सुनने का लाभ प्रदान करती है।

3.समय की बचत: रेडियो श्रोता अक्सर एक ही समय में कई काम कर सकते हैं, जैसे कि घर के काम करते हुए रेडियो सुनना। यह एक मल्टी-टास्किंग माध्यम है जो अन्य गतिविधियों के साथ आसानी से जुड़ जाता है।

4.विविधता और पहुंच: रेडियो पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम होते हैं—समाचार, संगीत, चर्चा, और विशेष शो—जो विभिन्न श्रोता समूहों की प्राथमिकताओं को पूरा करते हैं। विशेषकर ग्रामीण और दूरदराज इलाकों में रेडियो की पहुँच अख़बारों की तुलना में अधिक प्रभावी हो सकती है।

5. तत्काल प्रतिक्रिया: रेडियो लाइव कॉल-इन शो और इंटरव्यू जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से श्रोताओं की त्वरित प्रतिक्रिया और सहभागिता की सुविधा प्रदान करता है।

अख़बार की विशेषताएँ:
हालांकि रेडियो की कई विशेषताएँ हैं, अख़बारों की भी अपनी खासियतें हैं, जैसे कि विशद लेखन, विस्तृत समाचार विश्लेषण, और भौतिक स्वरूप जो किसी भी समय पढ़ा जा सकता है।

अख़बार की ताकत उसकी गहराई और स्थिरता में है, जबकि रेडियो की लोकप्रियता उसकी तात्कालिकता, सुविधा, और विविधता में है। इसलिए, विभिन्न परिस्थितियों और जरूरतों के आधार पर दोनों ही मीडिया के रूप में महत्वपूर्ण और प्रभावशाली होते हैं।

(पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

collegedunia
India's largest Student Review Platform

Q.10 काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए **:**

(क) 'पतंग' कविता में बच्चों को कपास की तरह कोमल और उनके पैरों को **'बेचैन'** क्यों कहा गया है**?**

Solution. 'पतंग' कविता में बच्चों को कपास की तरह कोमल और उनके पैरों को 'बेचैन' कहने का आशय इस प्रकार है:

कविता में बच्चों को कपास की तरह कोमल इस लिए कहा गया है क्योंकि बच्चों की त्वचा अत्यंत मुलायम और संवेदनशील होती है, जैसे कि कपास। उनका शरीर नाजुक और कोमल होता है, जो उनकी मासूमियत और सरलता को दर्शाता है।

दूसरी ओर, बच्चों के पैरों को 'बेचैन' कहा गया है क्योंकि वे हमेशा ऊर्जा से भरे रहते हैं। उनका मन उत्साह और गतिशीलता से भरपूर होता है, जिससे वे लगातार खेलकूद, दौड़-भाग और नई-नई चीजें सीखने में लगे रहते हैं। इस 'बेचैनी' से उनका जीवन सक्रिय और जीवंत बना रहता है।

इस प्रकार, ये वर्णन बच्चों की मासूमियत और उनकी निरंतर सक्रियता को प्रकट करते हैं।

(ख) 'कविता के बहाने' शीर्षक कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए।

Solution. 'कविता के बहाने' शीर्षक कविता का केन्द्रीय भाव इस प्रकार है:

इस कविता का केन्द्रीय भाव कविता के माध्यम से जीवन की गहराईयों और भावनात्मक जटिलताओं की छानबीन करना है। कवि कविता को एक माध्यम मानते हैं जिसके द्वारा वे जीवन की विविध परिस्थितियों, व्यक्तिगत अनुभवों, और समाज की समस्याओं की गहराई से पड़ताल कर सकते हैं। कविता केवल शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि यह एक संवेदनशील और सृजनात्मक प्रक्रिया है जो आंतरिक विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण तरीका है।

कविता के बहाने कवि जीवन की जटिलताओं, उसकी सुंदरता और उसकी सच्चाइयों को उद्घाटित करते हैं, और पाठकों को एक नए दृष्टिकोण से सोचने और महसूस करने की प्रेरणा देते हैं। इस प्रकार, कविता के माध्यम से जीवन की गहराईयों और संवेदनाओं की अन्वेषण की जाती है।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(ग) **'कैमरे में बंद अपाहिज'** कविता में वर्णित दृश्यों के आधार पर किसी अपाहिज की अनुभूतियों को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

Solution. 'कैमरे में बंद अपाहिज'कविता में वर्णित दृश्यों के आधार पर किसी अपाहिज की अनुभूतियों को इस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है:

एक अपाहिज व्यक्ति जो अपने शारीरिक या मानसिक सीमाओं के बावजूद अपनी आत्म-संवेदनाओं और व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करता है, वह अक्सर अपने आप को समाज की जटिलताओं और पूर्वाग्रहों से जूझता हुआ पाता है। यह व्यक्ति कैमरे के सामने अपने आप को कैद महसूस करता है, जैसे वह एक प्रदर्शन की वस्तु हो। उसकी असहायता और मानसिक दर्द को समझने की बजाय, लोग उसकी स्थिति का मनोरंजन का विषय मान लेते हैं।

अपाहिज व्यक्ति की भावनाएं गहरी और जटिल होती हैं—वह खुद को समाज से अलग-थलग महसूस करता है, जहाँ लोग उसकी स्थिति को केवल एक दृश्यमाध्यम मानते हैं। उसकी पीड़ा और संघर्ष, जो उसके जीवन की वास्तविकता है, अक्सर दिखाई नहीं देती। वह चाहता है कि लोग उसकी मानवता को समझें, न कि उसकी स्थिति को केवल एक असामान्य दृश्य के रूप में देखें। उसकी सच्ची भावनाएँ, उसकी इच्छाएं और उसकी आत्मा की गहराई कहीं खो जाती हैं, जब उसकी पहचान सिर्फ एक 'कैमरे में बंद अपाहिज' के रूप में होती है।

Q.11 काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए **:**

(क) **'कवितावली'** के छंद के आधार पर लिखिए कि पेट की आग से क्या तात्पर्य है। उसकी तुलना **'बड़वाग्नि'** से क्यों की गई है **?**

Solution. 'कवितावली' के छंद में पेट की आग का तात्पर्य और बड़वाग्नि की तुलना:

पेट की आग से तात्पर्य है उस भयंकर भूख और जीवन की आवश्यकताओं की ज्वाला से, जो व्यक्ति को निरंतर परेशान करती है। यह आग पेट की निरंतर मांग को दर्शाती है, जो कभी शांत नहीं होती और व्यक्ति को निरंतर कष्ट देती है।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

'बड़वाग्नि' से तुलना करने का कारण यह है कि जैसे बड़वाग्नि (विशाल अग्नि) सब कुछ भस्म कर देती है और उसका प्रचंड रूप सबको त्रस्त करता है, उसी प्रकार पेट की आग भी व्यक्ति की मानसिक शांति और सुख को चुराती है। बड़वाग्नि का विनाशकारी प्रभाव पेट की आग के निरंतर और असंतोषजनक अनुभव से मेल खाता है, जो व्यक्ति को अंततः दीन-हीन और परेशान कर देता है। इस तुलना से यह स्पष्ट होता है कि पेट की आग का प्रभाव भी उतना ही गंभीर और विनाशकारी होता है, जितना बड़वाग्नि का।

(ख) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता से उद्धृत पंक्ति "हम पूछ-पूछकर उसको रुला देंगे" में कैसा भाव निहित है ? इस कथन से मीडियाकर्मियों के विषय में क्या पता चलता है ?

Solution. "हम पूछ-पूछकर उसको रुला देंगे" पंक्ति में निम्नलिखित भाव निहित हैं:

1. संवेदनहीनता और शोषण: यह पंक्ति दर्शाती है कि कुछ लोग या मीडिया के प्रतिनिधि पीड़ित या असहाय व्यक्तियों की भावनाओं की कद्र नहीं करते। वे सिर्फ़ सच्चाई का पता लगाने या सनसनीखेज़ सामग्री प्राप्त करने के लिए उनके दुख को भड़काते हैं।

2. दूसरों के दर्द का उपभोग: यहाँ 'रुलाना' शब्द का प्रयोग इस भाव को उजागर करता है कि ये लोग पीड़ित की तकलीफ को अपनी सुविधा और लाभ के लिए इस्तेमाल करते हैं, बिना यह सोचें कि इससे पीड़ित व्यक्ति पर और अधिक मानसिक बोझ पड़ेगा।

मीडियाकर्मियों के विषय में इस कथन से पता चलता है:

संपादकीय और संवेदनशीलता की कमी: कुछ मीडियाकर्मी, विशेषकर वे जो सनसनीखेज़ खबरें बनाने के लिए जाने जाते हैं, वे पीड़ितों की भावनाओं की कद्र नहीं करते और उनके दर्द का शोषण कर खबरों में तूल देते हैं।

पेशेवर और नैतिकता का टकराव: इस प्रकार की पत्रकारिता दर्शाती है कि कुछ मीडियाकर्मी पेशेवर लक्ष्यों के लिए नैतिकता को छोड़ सकते हैं, जिससे पीड़ितों के निजी दुःख और भावनाओं की अनदेखी होती है।

कविता इस प्रवृत्ति की आलोचना करती है और मीडियाकर्मियों से अपेक्षित संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की आवश्यकता पर जोर देती है।

(ग)'तिरती है समीर-सागर पर
अस्थिर सुख पर दुख की छाया' -

collegedunia
India's largest Student Review Platform

'बादल राग' कविता की इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

Solution. "तिरती है समीर-सागर पर
अस्थिर सुख पर दुख की छाया"

'बादल राग' कविता की इस पंक्ति का भाव निम्नलिखित है:

1. सुख और दुःख की अनिश्चितता: यह पंक्ति दर्शाती है कि सुख और दुःख की स्थिति जीवन में अस्थिर होती है। जैसे समीर (हवा) और सागर (समुद्र) पर लहरें तिरकती हैं, वैसे ही सुख और दुःख भी जीवन में लगातार बदलते रहते हैं। सुख की स्थिति भी स्थायी नहीं होती और उस पर दुःख की छाया बनी रहती है।

2. भावनात्मक अस्थिरता: कवि यह व्यक्त कर रहा है कि सुख और दुःख के बीच संतुलन बनाए रखना कठिन होता है। एक पल सुख का अनुभव होता है, लेकिन उसी पर दुःख की छाया हमेशा मौजूद रहती है।

3.जीवन की अनिश्चितता: इस पंक्ति के माध्यम से कवि जीवन की अनिश्चितता और उसकी चंचलता को उजागर करता है। सुख और दुःख की यह स्थिति जीवन के अनिवार्य पहलू हैं, जो एक दूसरे के साथ हमेशा जुड़े रहते हैं।

कवि इस प्रकार की भावनात्मक स्थिति को चित्रित करते हुए जीवन की जटिलताओं और भावनात्मक अस्थिरता को व्यक्त कर रहे हैं।

Q.12 गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए
(क) महादेवी जी के साथ जेल यात्रा के दौरान भी साथ रहने की बात करने वाली भक्तिन के व्यक्तित्व में ऐसा क्या था कि महादेवी जी को यह कहना पड़ा कि **'भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा' ?**

Solution. महादेवी वर्मा के साथ जेल यात्रा के दौरान भक्तिन का व्यक्तित्व महादेवी जी के लिए जटिल और चुनौतीपूर्ण था। भक्तिन के व्यक्तित्व की जटिलता और उसकी अनूठी सोच ने महादेवी जी को एक ओर आकर्षित किया और दूसरी ओर उनकी आलोचना का कारण भी बना। भक्तिन की असामान्य विचारधारा और साहसिकता ने महादेवी जी को यह महसूस कराया कि उसे 'अच्छी' कहना मुश्किल था, क्योंकि भक्तिन की आदर्शता और सामाजिक मूल्य प्रणाली पारंपरिक मानकों से भिन्न थी। इस संघर्ष और मतभेद ने

collegedunia
India's largest Student Review Platform

महादेवी जी को इस प्रश्न पर विचार करने के लिए मजबूर किया कि भक्तिन का व्यक्तित्व कितनी गहराई और सच्चाई को प्रकट करता है, और इस प्रकार से, महादेवी जी ने भक्तिन के व्यक्तित्व को सरलता से नहीं परखा।

(ख) पहलवान की ढोलक की उठती-गिरती आवाज बीमारी से दम तोड़ रहे ग्रामवासियों में संजीवनी का संचार कैसे करती है**?** अपने शब्दों में लिखिए ।

Solution. पहलवान की ढोलक की उठती-गिरती आवाज ग्रामवासियों के लिए संजीवनी का काम करती है क्योंकि यह उन्हें जीवन की आशा और उत्साह प्रदान करती है। जब ग्रामवासियों की तबियत खराब होती है और उनके आसपास का माहौल निराशाजनक होता है, तब ढोलक की बेतहाशा धुन उनकी आत्मा को छूती है। ढोलक की आवाज एक प्रकार की ऊर्जा और स्फूर्ति का संचार करती है, जिससे लोग अपने दुख और बीमारी को भूलकर एक नई उम्मीद और ताकत का अनुभव करते हैं। यह संगीत उन्हें हिम्मत और सकारात्मकता प्रदान करता है, जिससे वे अपने कष्टों को सहन करने की क्षमता पाते हैं और जीवन की ओर एक नई आशा के साथ देखते हैं।

(ग) अगर जाति प्रथा को श्रम विभाजन मान लिया जाए तो भी यह स्वाभाविक विभाजन क्यों नहीं हो सकता **?** **'**श्रम विभाजन और जाति प्रथा**'** पाठ के आधार पर लिखिए।

Solution. जाति प्रथा को श्रम विभाजन मानना भी स्वाभाविक विभाजन नहीं हो सकता क्योंकि:

1.अनुवांशिकता और निरंतरता: जाति प्रथा जन्म के आधार पर तय की जाती है, न कि कार्यकौशल या योग्यताओं के आधार पर। इसके विपरीत, श्रम विभाजन में कामकाजी भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ व्यक्ति की योग्यताओं और मेहनत के आधार पर निर्धारित होती हैं। जाति प्रथा का निरंतरता और अनुवांशिकता इसका एक बड़ा दोष है, जिससे सामाजिक गतिशीलता और समान अवसर की संभावना समाप्त हो जाती है।

2.अवसर की कमी: जाति प्रथा ने समाज में विभिन्न जातियों को निश्चित भूमिकाओं में बाँध दिया है, जिससे व्यक्तियों को उनके वास्तविक गुण और क्षमताओं के आधार पर काम करने का अवसर नहीं मिलता। श्रम विभाजन एक स्वाभाविक प्रक्रिया है जो विभिन्न कौशल और क्षमताओं को मान्यता देती है, जबकि जाति प्रथा में ऐसा कोई आधार नहीं होता।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

3. सामाजिक असमानता: जाति प्रथा असमानता और भेदभाव को बढ़ावा देती है, जिसमें उच्च जातियाँ विशेषाधिकार प्राप्त करती हैं और निम्न जातियों को समाज में निम्न स्थिति में रखा जाता है। इसके विपरीत, श्रम विभाजन समान अवसर और न्यायसंगत कार्य वितरण पर आधारित होता है, जो समाज की आर्थिक और सामाजिक उन्नति में योगदान करता है।

इस प्रकार, जाति प्रथा को श्रम विभाजन के रूप में मान लेना गलत है क्योंकि यह स्वाभाविक और समान अवसर आधारित विभाजन का समर्थन नहीं करती।

Q.13 गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए **:**

(क) 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर श्रम विभाजन और श्रमिक विभाजन में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Solution. 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर, श्रम विभाजन और श्रमिक विभाजन में अंतर इस प्रकार स्पष्ट किया जा सकता है:

श्रम विभाजन एक सामाजिक व्यवस्था है जिसमें कार्यों को विभिन्न भूमिकाओं और जिम्मेदारियों में विभाजित किया जाता है ताकि उत्पादन और कार्य दक्षता बढ़ सके। यह विभाजन आमतौर पर दक्षता और विशेषज्ञता के आधार पर होता है, जैसे कृषि, उद्योग, या सेवाएँ।

श्रमिक विभाजन जाति प्रथा के संदर्भ में एक विषमतापूर्ण विभाजन है, जहाँ जातियों के आधार पर श्रमिकों को विभिन्न कार्यों में बांटा जाता है। इसमें सामाजिक असमानता और भेदभाव होता है, जैसे कि विशेष जातियाँ विशेष काम करने के लिए बाध्य होती हैं और अन्य जातियों को अलग कार्यों में रखा जाता है।

इस प्रकार, श्रम विभाजन दक्षता के उद्देश्य से होता है, जबकि श्रमिक विभाजन सामाजिक असमानता और भेदभाव को जन्म देता है।

(ख) 'काले मेघा पानी दे' पाठ में जीजी किसान के उदाहरण द्वारा क्या सिद्ध करना चाहती है **?**

collegedunia
India's largest Student Review Platform

Solution. 'काले मेघा पानी दे' पाठ में जीजी किसान के उदाहरण के माध्यम से लेखक यह सिद्ध करना चाहती हैं कि केवल अपनी मेहनत और प्रयास से ही किसी समस्या का समाधान संभव है, न कि किसी बाहरी सहारे की उम्मीद से।

जीजी किसान का उदाहरण दिखाता है कि कैसे किसान ने अपने खेत की सिंचाई और फसल की देखभाल के लिए खुद पर विश्वास और कड़ी मेहनत की। बारिश की कमी के बावजूद, उसने निरंतर प्रयास और संयम बनाए रखा। इस प्रकार, जीजी किसान की कहानी यह सिखाती है कि वास्तविक परिवर्तन और सफलता के लिए आत्मनिर्भरता और निरंतर प्रयास जरूरी हैं। बाहरी परिस्थितियाँ अस्थायी हो सकती हैं, लेकिन व्यक्ति का संकल्प और मेहनत ही स्थायी परिणाम दे सकते हैं।

(ग) बाज़ार जाते समय हमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए**,** जिससे बाज़ार के जादू से बचा जा सके **?** **'**बाज़ार**-**दर्शन**'** पाठ के संदर्भ में लिखिए।

Solution.'बाज़ार-दर्शन' पाठ के संदर्भ में, बाज़ार जाते समय हमें निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि हम बाज़ार के 'जादू' से बच सकें:

1.योजना बनाएं: बाज़ार जाने से पहले अपनी खरीदारी की एक सूची बनाएं और उसे देखकर ही वस्त्र खरीदें। इससे आप अनावश्यक चीज़ों की खरीदारी से बच सकते हैं।

2.बजट तय करें: अपने बजट को स्पष्ट रूप से तय करें और उसकी सीमा में ही खरीदारी करें। इससे आप अपने पैसे की अच्छी तरह से योजना बना सकेंगे और बजट से बाहर जाने से बच सकेंगे।

3.प्रलोभनों से बचें: बाज़ार में विक्रेता अक्सर आकर्षक प्रस्ताव और छूट का दावा करते हैं। इन प्रलोभनों से बचने के लिए केवल वही खरीदें जो वास्तव में ज़रूरी हो और उसकी आवश्यकता को प्राथमिकता दें।

4.शांति बनाए रखें: भीड़-भाड़ और विक्रेताओं की अपीलों से प्रभावित न हों। शांति बनाए रखते हुए अपनी सूची के अनुसार खरीदारी करें और इम्पल्स बायिंग से बचें।

5.मूल्य तुलना करें: समान वस्त्रों की कीमत विभिन्न दुकानों में तुलना करें। इससे आप सही मूल्य पर सामान खरीद सकेंगे और अधिक पैसे खर्च करने से बचेंगे।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

इन उपायों से बाज़ार के आकर्षण और प्रलोभनों से बचकर आप समझदारी से खरीदारी कर सकते हैं और अपनी वित्तीय स्थिति को सुरक्षित रख सकते हैं।

(पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित प्रश्न)

Q.14. निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए **:**

(क) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी की मुख्य समस्या पर विचार कीजिए।

Solution. 'सिल्वर वैडिंग' कहानी की मुख्य समस्या परिवार और विवाह के संबंधों में उथल-पुथल को दर्शाती है। कहानी एक **पांचवी सालगिरह** के अवसर पर केंद्रित है, जब दांपत्य जीवन में कई मुद्दे उभरकर सामने आते हैं।

कहानी की मुख्य समस्या यह है कि दांपत्य जीवन की जटिलताओं और विवाहित जीवन के तनाव ने एक परिवार के सदस्यों के बीच दूरी और असंतोष पैदा कर दिया है। इस अवसर पर, जो पारंपरिक रूप से प्रेम और मिलन का प्रतीक माना जाता है, वे आपसी मनमुटाव और नासमझी को दर्शाते हैं।

कहानी में मुख्य पात्र अपने साथी के साथ संबंधों की सच्चाई का सामना करते हैं और दांपत्य जीवन की वास्तविकता को समझने की कोशिश करते हैं। इस प्रक्रिया में, वे अपने आपसी विश्वास, समझ और स्नेह को पुनः परखते हैं।

'सिल्वर वैडिंग' इस बात को उजागर करती है कि किसी भी दीर्घकालिक संबंध में समस्याएं आना स्वाभाविक है और उन्हें हल करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता और समझदारी की आवश्यकता होती है।

(ख) 'जूझ' कहानी के लेखक का संघर्ष हमारे लिए प्रेरणादायक है, कैसे ?

Solution. 'जूझ' कहानी के लेखक के संघर्ष में कई प्रेरणादायक पहलू हैं जो हमें अपने जीवन में कठिनाइयों का सामना करने की प्रेरणा देते हैं:

1.सामाजिक और व्यक्तिगत संघर्ष: लेखक ने समाज में व्याप्त असमानता, भेदभाव, और सामाजिक चुनौतियों का सामना किया। उनके संघर्ष ने हमें यह सिखाया कि सामाजिक बदलाव के लिए व्यक्तिगत संघर्ष और दृढ़ता कितनी महत्वपूर्ण होती है। वे

collegedunia
India's largest Student Review Platform

दिखाते हैं कि अपने विश्वास और आदर्शों के प्रति सच्चे रहना आसान नहीं होता, लेकिन यह संभव है।

2.सहनशीलता और आत्मविश्वास: लेखक ने अपने संघर्षों के बावजूद आत्मविश्वास और धैर्य बनाए रखा। उनकी इस सहनशीलता से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि जीवन की कठिनाइयों का सामना करते हुए भी हमें अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ते रहना चाहिए।

3.सृजनात्मकता और नवीकरण: लेखक ने अपनी कठिनाइयों को अपने लेखन और सृजनात्मकता के माध्यम से व्यक्त किया। यह हमें यह सिखाता है कि संकट और चुनौती को एक सृजनात्मक शक्ति में बदल सकते हैं और उससे न केवल व्यक्तिगत विकास कर सकते हैं, बल्कि समाज में भी योगदान दे सकते हैं।

4. समाज सुधार की दिशा में प्रयास: लेखक का संघर्ष समाज में बदलाव लाने की दिशा में था। उन्होंने सामाजिक मुद्दों को उजागर किया और सुधार की दिशा में पहल की। यह हमें दिखाता है कि किसी भी बदलाव की शुरुआत व्यक्तिगत संघर्ष और प्रयास से होती है, और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए हमें अपने हिस्से का योगदान देना चाहिए।

'जूझ' कहानी के लेखक का संघर्ष हमें यह सिखाता है कि जीवन में चुनौतियों का सामना करते हुए भी हमें अपने आदर्शों पर विश्वास बनाए रखना चाहिए और अपनी सृजनात्मकता और संकल्प के साथ समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश करनी चाहिए।

(ग) सिंधु सभ्यता को लघुता में भी महत्ता का अनुभव करने वाली संस्कृति कहे जाने का क्या आधार है **?**

Solution. सिंधु सभ्यता को "लघुता में भी महत्ता का अनुभव करने वाली संस्कृति" कहे जाने का आधार इसके निम्नलिखित प्रमुख पहलुओं में है:

1.उन्नत नगर नियोजन और वास्तुकला: सिंधु सभ्यता के नगर जैसे मोहनजोदड़ो और हड़प्पा का नियोजन बहुत उन्नत था। इनके नगरों में चौकस और व्यवस्थित सड़कें, जल निकासी प्रणाली, और कुशल जलाशयों की व्यवस्था की गई थी। इन नगरों का नियोजन और वास्तुकला छोटी-सी जगह में एक उच्च स्तर की योजना और संस्कृति को दर्शाता है।

2. विस्तृत व्यापार और व्यापार नेटवर्क: सिंधु सभ्यता ने छोटे-से स्थान में भी एक व्यापक व्यापार नेटवर्क स्थापित किया था। इसके व्यापार संबंध Mesopotamia और

collegedunia
India's largest Student Review Platform

अन्य प्राचीन सभ्यताओं तक फैले हुए थे। इस व्यापार नेटवर्क ने सभ्यता को आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बना दिया।

3. सुसज्जित बस्तियाँ और वस्त्र निर्माण: सिंधु सभ्यता में कपड़े बुनाई और वस्त्र निर्माण की उन्नत तकनीकें थीं। यहां की वस्त्रों की गुणवत्ता और डिज़ाइन इस बात को प्रमाणित करती है कि छोटी-सी सभ्यता में भी उच्च स्तर की वस्त्र कला विकसित हुई थी।

4. संगठित लेखन प्रणाली: सिंधु सभ्यता की लेखन प्रणाली, हालांकि अभी पूरी तरह से समझी नहीं गई है, लेकिन इसके अस्तित्व से पता चलता है कि इस सभ्यता में एक विकसित और व्यवस्थित सांस्कृतिक और प्रशासनिक प्रणाली थी। यह संस्कृति की महत्ता को और भी बढ़ाता है।

5. कला और शिल्प: सिंधु सभ्यता के अवशेष, जैसे मुहरें, मूर्तियाँ, और अन्य कलात्मक वस्तुएँ, इस बात का प्रमाण हैं कि यहाँ की कला और शिल्प न केवल सुंदरता में बल्कि सूक्ष्मता में भी अत्यंत उन्नत थे। छोटी-छोटी वस्तुओं पर उत्कृष्ट कारीगरी ने इस सभ्यता की सांस्कृतिक महत्ता को स्पष्ट किया।

इन सब पहलुओं से सिद्ध होता है कि सिंधु सभ्यता ने भौतिक रूप से भले ही छोटी जगह पर अपना अस्तित्व रखा, लेकिन इसके सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी योगदान ने इसे एक महत्वपूर्ण और महत्त्वपूर्ण सभ्यता बना दिया।

collegedunia
India's largest Student Review Platform